

संपादक की कलम

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। न्यायालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न कि किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए

ललित शर्मा

संपादक

आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में हैं, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, असुरक्षिता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध करने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्त्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इस उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परीक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुरजोर वकालत करते हैं। इस प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि सभी गंभीर विषय पर केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठाएं ताकि इस दुरुपयोग को रोका जा सके। इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में सर्वोच्च न्यायालय का चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवादों पर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है। 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने मतदाता सुविधों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर मार्च किया, इस पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया भी सरहनीय है।

भारत की बेटियाँ

उदय कशोर साह

कविता

भारत की बेटियों का ना समझो कमजोर चारो दिशा में गुँज रही है जोश पुरजोर

अवनि से अम्बर तक तेरी शक्ति सिरमोर

इतिहास पढ़ लो जो समझता है कमजोर

पढ़ लो लक्ष्मीबाई की वीरता की कहानी

दाँत खट्टे कर दी थीअंग्रेजों की। मदर्नी

आजादी की थी एक पागल वो दीवानी

मंजूर नहीं थी फिरगियों की मनमानी

भारत की बेटियों का ना समझो कमजोर चारो दिशा में गुँज रही है जोश पुरजोर

अवनि से अम्बर तक तेरी शक्ति सिरमोर

इतिहास पढ़ लो जो समझता है कमजोर

पढ़ लो लक्ष्मीबाई की वीरता की कहानी

दाँत खट्टे कर दी थीअंग्रेजों की। मदर्नी

आजादी की थी एक पागल वो दीवानी

मंजूर नहीं थी फिरगियों की मनमानी

जौहर दिखलाने की मिलती है मिशाल

खुद को मिटा दी समझ बेरी की चाल

देश की सीमा पर भी दिखला रही कमाल

हाथ में बन्दुक और वीर शेरनी सी चाल

बेटियां भी ठोंक रही विकास की ताल

प्रथम नागरिक बन गई है भारत की भाल

चुनौती स्वीकार है इनको भी हर हाल

बन जाती है चन्डी दुश्मन की बन काल

उड़न परी की पाई जग से भी। खिताब

ज्ञान विज्ञान और साहस की लिखी किताब

गगन में भी उड़ने को है बेटियां बेताब

समझो भारत की बेटियों को जनाब

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया | संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अग्रवाल पहचान: जाति, व्यापार और विशेषाधिकारों की निरंतरता

डॉ विजय गर्ग

लेखक

भारतीय समाज में जाति और व्यापार के बीच सदियों से एक जटिल संबंध रहा है। आर्थिक विकास, शहरीकरण, शिक्षा और आधुनिक उद्यमिता ने व्यावसायिक परिदृश्य को काफी बदल दिया है, फिर भी पारंपरिक सामुदायिक नेटवर्क अवसरों तक पहुँच, व्यावसायिक संबंधों और सामाजिक गतिशीलता को प्रभावित करते हैं। ऐतिहासिक रूप से व्यापार, वाणिज्य और उद्यमिता से जुड़े अग्रवाल समुदाय का अनुभव इस बात को समझने का एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है कि जातिगत पहचान, आर्थिक शक्ति और सामाजिक विशेषाधिकार किस प्रकार एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। प्रश्न केवल यह नहीं है कि कोई समुदाय व्यावसायिक सफलता कैसे प्राप्त करता है, बल्कि यह भी है कि सामाजिक नेटवर्क, सांस्कृतिक परंपराएँ, पारिवारिक संसाधन और विरासत में मिले लाभ किस प्रकार पीढ़ी-दर-पीढ़ी उस सफलता को बनाए रखने में योगदान देते हैं।

व्यावसायिक पहचान की ऐतिहासिक जड़ें

अग्रवाल समुदाय को सामान्यतः उत्तर भारत की व्यापक वैश्य और बनिया व्यापारिक परंपराओं से जोड़ा जाता है। कई पीढ़ियों के दौरान समुदाय के अनेक सदस्यों ने व्यापारिक केंद्रों, वाणिज्यिक नगरों और शहरी बाजारों में अपनी पहचान स्थापित की। थोक व्यापार, साहूकारी, विनिर्माण और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी ने एक विशिष्ट व्यापारिक पहचान विकसित करने में योगदान दिया। ऐतिहासिक रूप से व्यापार केवल पूँजी पर ही निर्भर नहीं था, बल्कि विश्वास, प्रतिष्ठा और विश्वसनीय संपर्कों पर भी आधारित था। जब औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था, कानूनी सुरक्षा और व्यावसायिक जानकारी सीमित थी, तब सामुदायिक संबंध व्यापारियों को ऋण प्राप्त करने, साझेदार खोजने और जोखिमों का प्रबंधन करने में सहायता करते थे। साझा परंपराएँ और सामाजिक संपर्क व्यापारिक लेन-देन में अनिश्चितता को कम कर सकते थे। ऐसे नेटवर्क केवल अग्रवाल समुदाय तक सीमित नहीं थे। भारत के अनेक व्यापारिक समुदायों ने पारिवारिक संबंधों, क्षेत्रीय संपर्कों और सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया। फिर भी, विभिन्न समुदायों के ऐतिहासिक अनुभव यह स्पष्ट करते हैं कि सामाजिक संबंध समय के साथ मूल्यवान् आर्थिक संसाधनों का रूप ले सकते हैं।

सामाजिक और आर्थिक पूँजी के रूप में जाति

जाति को सामान्यतः जन्म से प्राप्त सामाजिक पहचान पर आधारित स्तरिकरण की व्यवस्था के रूप में समझा जाता है, जिसका पारंपरिक संबंध सामाजिक पैदानुक्रम, विवाह की परंपराओं और व्यावसायिक गतिविधियों से रहा है। हालाँकि, इसका प्रभाव सामाजिक प्रतिष्ठा तक सीमित नहीं है। यह संसाधनों, पेशेवर संपर्कों, व्यावसायिक साझेदारियों और आर्थिक अवसरों तक पहुँच को भी प्रभावित कर सकती है। स्थापित व्यापारिक परंपराओं

वाले समुदायों के लिए सामाजिक संपर्क आर्थिक पूँजी का एक रूप बन सकते हैं। पारिवारिक व्यवसाय में प्रवेश करने वाले युवा उद्यमी को पहले से स्थापित आपूर्तिकर्ताओं, विश्वसनीय ग्राहकों, वित्तीय संपर्कों और वर्षों के अनुभव का लाभ मिल सकता है। इन सुविधाओं से व्यवसाय शुरू करना और कठिन परिस्थितियों का सामना करना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। ऐसा सहयोग अत्यंत उपयोगी भी हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय व्यावहारिक ज्ञान को सुरक्षित रखते हैं, उद्यमिता को प्रोत्साहित करते हैं और रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। सामुदायिक नेटवर्क मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और आपसी सहयोग के अवसर भी प्रदान कर सकते हैं।

लेकिन जब अवसर केवल स्थापित संपर्कों तक सीमित रह जाते हैं, तो यही नेटवर्क असमानता को भी बनाए रख सकते हैं। यदि वित्त, व्यावसायिक साझेदारी और पेशेवर परिचय मुख्यतः विरासत में मिले संबंधों पर निर्भर हों, तो समान योग्यता और महत्वाकांक्षा रखने वाले अन्य लोगों को अतिरिक्त बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए मूल प्रश्न सामुदायिक नेटवर्क के अस्तित्व का नहीं, बल्कि इस बात का है कि उनके माध्यम से पैदा होने वाले अवसर समुदाय से बाहर के

को मजबूत कर सकते हैं। ऐसे संबंध संपत्ति को सुरक्षित रखने और पारिवारिक नेटवर्क को सुदृढ़ करने में सहायक हो सकते हैं। लेकिन जब विवाह के विकल्प जातिगत अपेक्षाओं से सीमित हो जाते हैं, तो सामाजिक सीमाएँ मजबूत हो सकती हैं और विभिन्न समुदायों के बीच मेलजोल कम हो सकता है। इस प्रकार विशेषाधिकारों की निरंतरता हमेशा दूसरों को बाहर रखने की किसी स्पष्ट योजना का परिणाम नहीं होती। कई बार यह स्थापित संस्थाओं, विरासत में मिले संसाधनों और पारंपरिक व्यवहारों के संयुक्त प्रभाव से उत्पन्न होती है।

पारिवारिक व्यवसाय और ज्ञान का हस्तांतरण

विशेषाधिकार का अर्थ यह नहीं है कि किसी समुदाय का प्रत्येक सदस्य धनी या सफल होता है। हर समुदाय के भीतर आय, शिक्षा, व्यवसाय, लिंग और भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर पर्याप्त विविधता होती है। अनेक परिवार आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, जबकि कुछ परिवार गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हैं। फिर भी, विरासत में मिले लाभ समय के साथ संचित हो सकते हैं। जिन परिवारों के पास संपत्ति, व्यावसायिक पूँजी, व्यापार का अनुभव और स्थापित सामाजिक संबंध होते हैं, वे इन संसाधनों को अगली पीढ़ी तक पहुँचा सकते हैं। बच्चों को बेहतर शैक्षिक सहायता, व्यावसायिक नियंत्रण का प्रारंभिक अनुभव, विशेषज्ञों से सलाह और उद्यमिता में जोखिम उठाने के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित वातावरण मिल सकता है। इन लाभों का सफलता पर प्रभाव पड़ सकता है, भले ही व्यक्तिगत मेहनत, प्रतिभा और विवेक भी सफलता के महत्वपूर्ण कारक हों। विवाह संबंध भी परिवारों, व्यवसायों और सामाजिक समूहों के बीच संपर्कों

पारिवारिक व्यवसाय भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे निरंतरता, दीर्घकालीन योजना और कर्मचारियों तथा ग्राहकों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित कर सकते हैं। व्यापार का अनुभव रखने वाले परिवारों में बच्चे छोटी उम्र से ही बान्चीत, वित्तीय प्रबंधन, ग्राहक संबंधों और जोखिमों का आकलन करना सीख सकते हैं। यह अनौपचारिक शिक्षा मूल्यवान होती है। जो युवा व्यावसायिक गतिविधियों को देखते हुए बड़े होते हैं, वे ऐसा व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं जिसे केवल पुस्तकों से सीखना कठिन है। हालाँकि, इस प्रकार के अनुभव तक सभी को समान पहुँच नहीं होती। पहली पीढ़ी का उद्यमी अक्सर आर्थिक सुरक्षा और स्थापित संपर्कों के बिना ही प्रयासों तथा गलतियों से सीखता है। यह अंतर बताता है कि व्यावसायिक शिक्षा, मार्गदर्शन और संस्थागत सहायता सभी सामाजिक पृष्ठभूमियों के इच्छुक उद्यमियों के लिए सुलभ होनी चाहिए। उद्देश्य पारिवारिक व्यवसायों को कमजोर करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि

भारतीय युवाओं के मस्तिष्क को संकुचित करता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

संजीव ठाकुर

लेखक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहाँ जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार हैं ज़्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियाँ जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भाष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज़्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की

तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज़्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पर्सनलीटींग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है। इस टेक्नोलॉजी को अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएँ बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक

एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर, मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भाषिया की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूएई पहला देश है जिसने 2017 में इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है। यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग

स्टारलिनक की दस्तक और भारत की रणनीतिक चिंताएँ

डॉ. प्रियंका तौरथ

लेखिका

एलन मस्क द्वारा भारत में स्टारलिनक की शुरूआत में हो रही देरी पर आलोचना ने उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाओं के नियमन को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यह बहस केवल किसी निजी कंपनी को भारतीय बाजार में प्रवेश देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, डेटा संप्रभुता, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और संचार व्यवस्था पर सरकार के नियंत्रण जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं। भारत जैसे विशाल और भौगोलिक विविधता वाले देश में उपग्रह इंटरनेट डिजिटल विभाजन को कम करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है, लेकिन इसके साथ जुड़े सुरक्षा जोखिमों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

स्टारलिनक जैसी सेवाएँ पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट उपलब्ध कराती हैं। इनकी सहायता से दूरस्थ गाँवों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपों और सीमावर्ती इलाकों तक कनेक्टिविटी पहुँचाई जा सकती है, जहाँ पारंपरिक दूरसंचार अवसंरचना स्थापित करना कठिन और महँगा होता है। हालाँकि, इन सेवाओं की वैश्विक प्रकृति, पोटेंबल टर्मिनलों और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता के कारण नियामक संस्थाओं के सामने नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं। सबसे प्रमुख चुनौती आतंकवादी गतिविधियों में संभावित दुरुपयोग की है। दूरदराज के क्षेत्रों में सक्रिय आतंकवादी संगठन या अन्य गैर-राज्यीय तत्व उपग्रह संचार प्रणालियों का उपयोग अपनी गतिविधियों के समन्वय के लिए कर सकते हैं। मणिपुर में वर्ष 2024 के दौरान स्टारलिनक-ब्रांडेड उपकरण मिलने की खबरों ने इस आशंका को चर्चा में ला दिया था। हालाँकि, किसी उपकरण की बरामदगी अपने आप में उसके वास्तविक उपयोग या किसी संगठन से उसके संबंध का निर्णायक प्रमाण नहीं है। इसलिए सुरक्षा आकलन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं और तकनीकी जाँच पर आधारित होना चाहिए। दूसरी चुनौती सीमा पार अपराध और तस्करी से संबंधित है। भारत की लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ, विस्तृत

समुद्री क्षेत्र और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों सुरक्षा एजेंसियों के लिए पहले से ही चुनौतीपूर्ण हैं। यदि उपग्रह इंटरनेट टर्मिनलों का उपयोग अवैध गतिविधियों के समन्वय में किया जाता है, तो अपराधियों की पहचान और उनके संचार की जाँच कठिन हो सकती है। अंडमान क्षेत्र में वर्ष 2024 में मादक पदार्थों की बरामदगी के संदर्भ में स्टारलिनक उपकरणों की चर्चा भी हुई थी। ऐसे मामलों में उपकरणों का वास्तविक भूमिका की पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि केवल उनकी मौजूदगी से तस्करी और उपग्रह नेटवर्क के बीच प्रत्यक्ष संबंध सिद्ध नहीं होता। तीसरी चुनौती डेटा संप्रभुता और विदेशी नियंत्रण की है। उपग्रह नेटवर्क का संचालन, तकनीकी प्रबंधन और

निगरानी की व्यवस्था लागू की जा सकती है। उपग्रह इंटरनेट में विदेशी नेटवर्क संचालन और सीमा-पार डेटा प्रवाह के कारण इन व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए अतिरिक्त तकनीकी क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता हो सकती है। यदि सेवा प्रदाता भारतीय कानूनों के अनुरूप वैध आदेशों का पालन करने में सक्षम नहीं हैं, तो आतंकवाद, संगठित अपराध और साइबर अपराध की जाँच प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, निगरानी की शक्तियों का प्रयोग स्पष्ट कानूनन, आवश्यकतानुसार और जवाबदेही के अधीन होना चाहिए, ताकि नागरिकों की निजता और मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें। पाँचवीं चुनौती रणनीतिक निर्भरता की है। यूक्रेन युद्ध के दौरान स्टारलिनक की भूमिका ने प्रदर्शित किया कि निजी उपग्रह संचार प्रणालियाँ संकट और युद्ध के समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती हैं। ऐसी प्रणालियाँ संचार व्यवस्था को बनाए रखने में सहायता करती हैं, लेकिन किसी विदेशी कंपनी के व्यावसायिक निर्णय, सेवा की शर्तों में बदलाव या तकनीकी व्यवधान पर अत्यधिक निर्भरता राष्ट्रीय हितों के लिए जोखिम बन सकती है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपाकालीन परिस्थितियों में उसकी

उद्यमिता के अवसर मुख्यतः पारिवारिक विरासत या सामाजिक संपर्कों पर निर्भर न रहें।

आधुनिकीकरण और बदलती सामुदायिक पहचान

आज अग्रवाल पहचान को केवल पारंपरिक व्यापारिक व्यवसायों तक सीमित नहीं किया जा सकता। समुदाय के सदस्य प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, वित्त, प्रशासन, विनिर्माण और अनेक अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं। कई लोग आधुनिक कंपनियों चला रहे हैं, वैश्विक बाजारों में भाग ले रहे हैं और पेशेवर प्रबंधन पद्धतियाँ अपना रहे हैं।

शिक्षा, डिजिटल तकनीक और विस्तृत होने वाले बाजारों ने ऐसे लोगों के लिए भी नए अवसर पैदा किए हैं, जो पहले पारंपरिक व्यावसायिक संरचनाओं पर निर्भर रहते थे। व्यावसायिक योग्यताएँ, नवाचार और योग्यता-आधारित नियुक्तियाँ पुराने अवरोधों को कम कर सकती हैं, हालाँकि संसाधनों तक पहुँच में मौजूद असमानताएँ अपने आप समाप्त नहीं होतीं। जातिगत पहचान अपनत्व, सांस्कृतिक निरंतरता और पारस्परिक सहयोग की भावना भी प्रदान कर सकती है। सामुदायिक संगठन शैक्षिक कार्यक्रम, परीपकारी गतिविधियाँ, स्वास्थ्य सहायता और अन्य जनकल्याणकारी कार्य संचालित कर सकते हैं। ऐसी गतिविधियाँ समाज के लिए सकारात्मक योगदान देती हैं। महत्वपूर्ण अंतर यह है कि पहचान का उपयोग सामाजिक एकजुटता बढ़ाने के लिए किया जाए या विरासत में मिली सामाजिक सीमाओं के माध्यम से अवसरों को सीमित करने के लिए। सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक सहयोग के लिए आर्थिक संसाधनों तक असमान पहुँच बनाए रखना आवश्यक नहीं है।

राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह के विदाई समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री धामी ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) के उत्तराखण्ड में योगदान, मार्गदर्शन और जनसेवा के प्रयासों की सराहना की



वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के सफल कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उत्तराखण्ड के

विकास, जनकल्याण और विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) का उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में कार्यकाल प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने अपने अनुभव, दूरदर्शी सोच, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम



से प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों को नई दिशा देने का कार्य किया। उनके मार्गदर्शन से शिक्षा, उच्च शिक्षा, युवाओं के प्रोत्साहन, महिला सशक्तीकरण, पूर्व सैनिकों के कल्याण और जनसेवा जैसे विषयों को विशेष प्रोत्साहन मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने अपने कार्यकाल के दौरान प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर यहां का सामाजिक, सांस्कृतिक और

विकास संबंधी आवश्यकताओं को निकटता से समझा। उन्होंने युवाओं को नवाचार, उद्यमिता, राष्ट्रसेवा और जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शोध, कौशल विकास और नई पीढ़ी के सर्वांगीण विकास पर उनका विशेष जोर रहा। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा समाज के



प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों में भी उनकी रूचि और प्रतिबद्धता उल्लेखनीय रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने उत्तराखण्ड की सैन्य परंपरा, वीर सैनिकों के त्याग और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सदैव विशेष सम्मान दिया। पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े विषयों के प्रति

उनकी संवेदनशीलता तथा युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की भावना जागृत करने के उनके प्रयास सराहनीय रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल के रूप में उन्होंने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रदेश सरकार, प्रशासन, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ समन्वय स्थापित किया। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से अनेक विषयों पर



सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का सौम्य व्यक्तित्व, सरल व्यवहार, सभी के प्रति आत्मीयता और उत्तराखण्ड के प्रति विशेष लगाव सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल के रूप में उत्तराखण्ड में प्राप्त अनुभवों और यहां के लोगों के साथ बने आत्मीय संबंधों की स्मृतियां उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी रहेंगी। उन्होंने

राज्यपाल के स्वस्थ, सुखमय एवं सफल भावी जीवन की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के प्रति उनके योगदान और सेवाभाव को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश सरकार, प्रशासन, विभिन्न संस्थानों, जनप्रतिनिधियों तथा प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाजना फायरिंग कांड के वांछित दो आरोपी मुठभेड़ में दबोचे



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के बाजना में जमीन विवाद को लेकर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने शुक्रवार तड़के मुठभेड़ के दौरान दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक आरोपी कनक के पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कनक पुत्र कमल सिंह निवासी कोटा और करन पुत्र भूरी सिंह निवासी बाटी, थाना जैत, मथुरा के रूप में हुई है। दोनों पांच अक्टूबर को बाजना में जमीन विवाद को लेकर हुई फायरिंग के मामले में वांछित थे। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को सुबह 4 बजे मुखबिर की सूचना पर रोमेक्स स्कूल जाने वाले कच्चे रास्ते

पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस की गोली से कनक घायल हो गया। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे 315 बोर के चार जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

अरशद जलाल बने शिक्षक कांग्रेस के जिला चेयरमैन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (शिक्षक प्रकोष्ठ) के प्रदेश चेयरमैन डॉ. अमित कुमार राय ने सेमरियावा ब्लाक के नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडिहा बेग के शिक्षक अरशद जलाल कुरैशी को जिला चेयरमैन मनोनीत किया है। इनके मनोनयन पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय, हाजी मोहम्मद नजीर, सुनील पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, सैयद तारिक हुसैन, अतीक सिद्दीकी, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, शान्ति देवी, अहमद जमाल अंसारी, मोईन अंसारी, नीलम चतुर्वेदी, सतीश साहनी, श्याम बिहारी पासवान, अजय सिंह, मोहम्मद अकरम नजीर, रियाज अहमद, मौलाना सेराज अहमद, अतीक अहमद, कमरे आलम सिद्दीकी, अब्दुस्सलाम, निसार



अहमद, फिरोज अहमद, सुल्तान नूरुद्दीन आदि ने बधाई दिये हैं। नवनि्युक्त जिला चेयरमैन से संगठन को मजबूती मिलने की उम्मीद है। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे और संगठन का विस्तार होगा।

तबेले वाली चाय शॉप का हुआ मध्य उद्घाटन, पहुंचे गणमान्य लोग



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बृहस्पतिवार की शाम में बीएमसीटी बस्ती- मेहदावल मार्ग पर स्थित मूड़ाडिहा बेग में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों की मौजूदगी में तबेले वाली चाय शॉप का भव्य उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। बीएमसीटी बस्ती- मेहदावल मार्ग पर स्थित मूड़ाडिहा बेग में तबेले वाली चाय शॉप का मुम्ती शकील अहमद और मौलाना जमाल अहमद ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रोफ़ाइटर् मोहम्मद साहिल ने बताया कि स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधा



मुहैया कराना ही मेरा मकसद है। अच्छा माहौल, बेहतर सुविधा देने का पूरा प्रयास किया गया है। इस अवसर पर भावी विधानसभा प्रत्याशी मोहम्मद शफीक ने कहा कि इस सुविधा का लाभ इलाके की अवाग को मिल

सकेगा। इस अवसर पर शमशेर अहमद, रफीउल्लाह, मुहम्मद अहमद, मुहम्मद सुहेल, मुहम्मद कलाम, मुहम्मद अजमल, मोहम्मद तैयब, राम लखन गुप्ता, अदील अहमद सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह आज

मथुरा/नंदगांव। विकासखंड नंदगांव क्षेत्र की हाथिया न्याय पंचायत के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला जैरला के नवीन भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह आज शनिवार, 17 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी के कर कर्मलों द्वारा किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक त्रिलोक चंद दुबे ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा बেসিক शिक्षा विभाग के विभागीय अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। नवीन भवन के निर्माण से विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। विद्यालय परिवार को उम्मीद है कि नए भवन से शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी।

बाइक सवार दोस्तों को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत, परिजनों में कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। मथुरा से अपने घर लौट रहे दो बाइक सवार युवकों में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार बुरी तरह से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए हॉस्पिटल के भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। युवकों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। थाना मोगरा क्षेत्र में मथुरा-भरतपुर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब दोनों युवक मथुरा से अपने घर लौट रहे थे। एक अज्ञात वाहन ने तेज गति से आकर उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हालांकि,

चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना से युवकों के परिवारों में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार, थाना फौजवा गांव चौकीपुरा निवासी राजवीर सिंह (22) और रनवीर सिंह (32) गुरुवार की देर रात करीब 8 बजे अपनी बाइक पर सवार होकर मथुरा से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मथुरा-भरतपुर मार्ग पर स्थित एक कॉलेज के समीप सामने से आ रहे तेज गति वाले अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में दोनों बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) अनिल कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत हो गई है।

मिशन शक्ति अभियान: कक्षा 12वीं की छात्रा महिमा पाण्डेय बनीं एक दिन की थाना प्रभारी

खलीलाबाद में पुलिस ने बेटियों को दिया नेतृत्व का अवसर, आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता बढ़ाने की पहल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बेटियां केवल सपने देखने वाली नहीं, बल्कि अपने साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता से उन्हें साकार करने वाली शक्ति हैं। इसी संदेश को साकार करते हुए उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत संतकबीरनगर में एक प्रेरणादायक पहल की गई। कुटुंबी लाल रंगटा सरस्वती विद्या मंदिर, खलीलाबाद की कक्षा 12वीं की छात्रा महिमा पाण्डेय को एक दिन के लिए कोतवाली खलीलाबाद का थाना प्रभारी बनाया गया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की भावना को मजबूत करना है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे ने यह विशेष पहल की। एक दिन की थाना प्रभारी की भूमिका निभाते



हुए महिमा पाण्डेय ने पूरे आत्मविश्वास के साथ थाना परिसर का भ्रमण किया और पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। उन्होंने थाना कार्यालय, जनसुनवाई कक्ष और परिसर में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनके कार्यों, जिम्मेदारियों और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे

में जानकारी प्राप्त की। **फरियादियों की समस्याएं सुनीं, निष्पक्ष कार्रवाई के लिए निर्देश** थाना प्रभारी की भूमिका में महिमा पाण्डेय ने थाने पर पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों को शिकायतों का नियमानुसार, निष्पक्ष और

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अनुभव के माध्यम से छात्रा को पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारियों, जनसुनवाई की प्रक्रिया और आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान में पुलिस की भूमिका को समझने का अवसर मिला। इस दौरान महिमा के चेहरे पर आत्मविश्वास, आंखों में बड़े सपने और मन में समाज के लिए कुछ बेहतर करने का संकल्प दिखाई दिया। एक दिन के इस अनुभव ने उन्हें न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर दिया, बल्कि नेतृत्व और जिम्मेदारी के महत्व को भी करीब से जानने का मौका प्रदान किया। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस की यह पहल केवल एक दिन के लिए थाना प्रभारी की कुर्सी सौंपने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य बालिकाओं को यह विश्वास दिलाना है कि वे भी प्रशासनिक और नेतृत्वकारी भूमिकाओं में अपनी महत्वपूर्ण

भागीदारी निभा सकती हैं। बेटियां समाज में बदलाव की वाहक बनने के साथ-साथ भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व करने की क्षमता रखती हैं। मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों, साइबर अपराध से बचाव, महिला हेल्पलाइन तथा आत्मनिर्भरता से संबंधित विषयों पर भी जागरूक किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम बालिकाओं को अपनी क्षमता पहचानने, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित करते हैं। महिमा पाण्डेय के लिए एक दिन की थाना प्रभारी बनने का यह अनुभव निश्चित रूप से जीवन की यादगार उपलब्धियों में शामिल होगा। साथ ही, यह पहल अन्य छात्राओं को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी।

जिलाधिकारी ने सौमरि नगर वन में चंदन का पौधा लगाया

लगभग 123 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित सौमरि नगर वन में 26 गिडों में 76,875 पौधों का रोपण किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में यमुना नदी के किनारे विकसित किया जा रहा एक विशाल और महत्वपूर्ण शहरी वन (सिटी फॉरेस्ट), जिसका नाम सौभरि नगर वन है। वृन्दावन स्थित सौभरि नगर वन लगभग 123 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सौभरि नगर वन में 26 गिडों में 76,875 पौधों का रोपण किया गया है, जिसमें पीपल, बरगद, कदम्ब, जामुन, अर्जुन सहित विभिन्न देशज प्रजातियाँ सम्मिलित हैं। यह वन ब्रज की पौराणिक वन संपदा के पुनर्जीवन एवं मथुरा-वृन्दावन क्षेत्र में हरित आवरण के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आज दिनांक 16 अक्टूबर 2026 को जिलाधिकारी श्री चंद्र प्रकाश सिंह जी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री श्लोक कुमार जी एवं



डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल ने सौभरि नगर वन में चन्दन के पौधे लगाए। पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से वन विभाग के सौभरि नगर वन में वृक्षारोपण किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय वन

अधिकारी मथुरा श्री अनुल तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जैवविविधता संवर्धन तथा अधिकाधिक पौररोपण के माध्यम से ब्रज क्षेत्र को हरा-भरा बनाने एवं जनमानस में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

स्नातक एवं शिक्षक खंड चुनाव में सपा का जनसंपर्क अभियान तेज, घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से मिले विष्णु शर्मा ‘विश्वकर्मा’

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। स्नातक एवं शिक्षक खंड चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी ने अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। आगामी 23 अक्टूबर 2026 को होने वाले चुनाव के मद्देनजर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मतदाताओं तक पहुंचकर समर्थन जुटाने में लगे हैं। इसी क्रम में 16 अक्टूबर, शुक्रवार को विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव के प्रभारी एवं समाजवादी पार्टी के उत्तर प्रदेश सचिव विष्णु शर्मा ‘विश्वकर्मा’ ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वाराणसी के विभिन्न इलाकों में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया तथा मतदाता परिचां वितरित की। जनसंपर्क अभियान के तहत विष्णु शर्मा ‘विश्वकर्मा’ दारानगर, ईश्वरगंगी,



नवापुरा और डीएवी रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में पहुंचे। उन्होंने मतदाताओं से सीधे संवाद कर चुनाव से जुड़े विषयों पर चर्चा की और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा तथा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी लाल बिहारी यादव के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को चुनाव संबंधी जानकारी देने के साथ उनसे

संपर्क स्थापित किया। चुनाव प्रभारी विष्णु शर्मा विश्वकमाने बताया कि जनसंपर्क अभियान का उद्देश्य मतदाताओं तक पहुंचने के साथ ही अधिवक्ताओं, शिक्षामित्रों, शिक्षकों और स्नातक युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि पुगनी पेंशन बहाली, स्नातक पास युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और शिक्षा जगत से जुड़ी समस्याएं महत्वपूर्ण विषय हैं। इन मुद्दों को मजबूती से उठाने



तथा जनहित से जुड़े सवालों पर लोगों के विचार जानने के लिए पार्टी कार्यकर्ता लगातार संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घर-घर पहुंचकर मतदाता परिचां वितरित करने से मतदाताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करने का अवसर मिल रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की गई है कि वे चुनाव के दौरान सक्रिय रहकर मतदाताओं तक प्रत्याशियों की नीतियों और प्राथमिकताओं को पहुंचाएं।

जनसंपर्क अभियान में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजकुमार यादव, उत्तर प्रदेश सचिव एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ‘विश्वकर्मा’, पूर्व पार्षद मनोज यादव, ईशान श्रीवास्तव, समाजवादी यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष राहुल सिंह यादव और विकास श्रीवास्तव सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पार्टी नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में मतदाताओं से संपर्क कर चुनाव में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

संत नरहरी चेतना मंच ने एमएलसी चुनाव के लिए पांच जिलों में नियुक्त किए प्रभारी

प्रदेश महासचिव अरुण सोनी बबू ने सौंपी जिम्मेदारी, सपा के अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क तेज करने के निर्देश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। वाराणसी शिक्षक एवं स्नातक खंड के आगामी विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव को लेकर संत नरहरी चेतना मंच ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। चुनाव में समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से मंच की ओर से पांच जिलों में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। संगठन के इस कदम को चुनावी तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संत नरहरी चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता किशन सेठ के दिशा-निर्देश तथा प्रदेश प्रभारी कमलेश सोनी की संस्तुति पर प्रदेश महासचिव अरुण सोनी बबू ने नवनियुक्त प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी। इन नियुक्तियों का उद्देश्य संबंधित जिलों में संगठन के



पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना तथा समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाना है। प्रदेश महासचिव अरुण सोनी बबू ने नवनियुक्त प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष और विधानसभा

अध्यक्षों के साथ समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान संगठनात्मक एकजुटता और आपसी तालमेल बेहद महत्वपूर्ण है। सभी प्रभारी स्थानीय पदाधिकारियों के सहयोग से मतदाताओं तक पहुंचें और पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील करें। उन्होंने प्रभारियों से कहा कि वे अपने

क्षेत्रों में नियमित रूप से जनसंपर्क करें और चुनाव से संबंधित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएं। संगठन के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आपसी सहयोग के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि चुनावी अभियान को मजबूती मिल सके। साथ ही प्रत्येक प्रभारी को अपने क्षेत्र में किए जा रहे जनसंपर्क और चुनावी

गतिविधियों को विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संत नरहरी चेतना मंच ने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त प्रभारी अपनी जिम्मेदारियों का सक्रियता और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। संगठन का लक्ष्य समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन में मतदाताओं से संपर्क बढ़ाना और चुनावी अभियान को प्रभावी बनाना है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को एकजुट कर योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर जोर दिया गया है। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष सेठ और प्रदेश सह प्रभारी मनोज सिंह स्वर्णकार ने नवनियुक्त प्रभारियों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि सभी प्रभारी मिलकर निर्धारित जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे और चुनाव के दौरान संगठन को सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

अधिवक्ताओं के हितों और सुरक्षा के मुद्दों पर सांसद वीरेंद्र सिंह से मिले शशि वर्मा

देश की वर्तमान परिस्थितियों, अधिवक्ताओं के अधिकारों और पेशे से जुड़ी समस्याओं पर हुई

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। अधिवक्ताओं के हितों, उनकी सुरक्षा और पेशे से जुड़ी समस्याओं को लेकर इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अधिवक्ता शशि वर्मा ने अपने अधिवक्ता साथियों के साथ चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह से मुलाकात की। यह शिष्टाचार भेंट भोजबीर स्थित टेंगोर टाउन में सांसद के आवास पर हुई। इस दौरान देश की वर्तमान परिस्थितियों सहित अधिवक्ता समुदाय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तारपूर्वक और सकारात्मक चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा न्यायिक और व्यावसायिक कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान जैसे विषय प्रमुखता से उठाए गए। अधिवक्ता प्रतिनिधियों ने अधिवक्ता समुदाय से जुड़े मुद्दों पर



प्रभावी संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं को उचित मंच पर उठाने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं। वे न्यायालयों में आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनके हितों की सुरक्षा, कार्य करने के लिए बेहतर परिस्थितियां और पेशे से संबंधित समस्याओं का समाधान महत्वपूर्ण है। अधिवक्ताओं की सुरक्षा से जुड़े विषयों

पर गंभीरता से विचार करने तथा उनकी मांगों को प्रभावी तरीके से संबंधित स्तर तक पहुंचाने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। इस मुलाकात को अधिवक्ताओं से जुड़े मुद्दों पर जनप्रतिनिधि के साथ संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने अधिवक्ता समुदाय की समस्याओं को सामने लाने और उनके समाधान के लिए सार्थक प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। देश की मौजूदा परिस्थितियों और समाज में अधिवक्ताओं की

भूमिका को लेकर भी विचार साझा किए गए। इस अवसर पर इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता अरविंद गांधी, वरिष्ठ अधिवक्ता रजनीश तिवारी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं एसोसिएशन की प्रबंध समिति के सदस्य अधिवक्ता डॉ. सुल्तान खान तथा राज कुमार सिंह सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे। उक्त जानकारी इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अधिवक्ता शशि वर्मा ने दी।

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। राष्ट्रीय लोकदल ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कृष्ण कुमार विश्वकर्मा को वाराणसी का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और हर्ष का माहौल है। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में वाराणसी जनपद में संगठन का विस्तार होगा और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान तेज किया जाएगा। राष्ट्रीय लोकदल के वाराणसी प्रभारी सुरेश गुप्ता एवं काशी क्षेत्र के अध्यक्ष रामाश्रय विश्वकर्मा की अनुशंसा पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने कृष्ण कुमार विश्वकर्मा की नियुक्ति की घोषणा की। इस संबंध



में जारी नियुक्ति पत्र में उनसे संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की विचारधारा को व्यापक स्तर पर पहुंचाने की अपेक्षा जताई गई है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और जनसंपर्क पर निर्भर करती है। ऐसे में नए जिलाध्यक्ष के सामने संगठन को सक्रिय बनाने, पार्टी की नीतियों को

सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व का उद्देश्य किसानों, मजदूरों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से जुड़कर संगठन की गतिविधियों को गति देना तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ उठाना है। कृष्ण कुमार विश्वकर्मा को जिलाध्यक्ष बनाए जाने की जानकारी मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल बन गया। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल वाराणसी में अपनी संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तार करेगा। साथ ही पार्टी के कार्यक्रमों को गांवों और शहरी क्षेत्रों तक पहुंचाने, नए लोगों को संगठन से जोड़ने तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी मदद मिलेगी। कार्यकर्ताओं का मानना है कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और जनसंपर्क पर निर्भर करती है। ऐसे में नए जिलाध्यक्ष के सामने संगठन को सक्रिय बनाने, पार्टी की नीतियों को

लोगों तक पहुंचाने और स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने नई जिम्मेदारी सौंपने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों और विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। संगठन के सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी को मजबूत बनाना और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने संगठन के विस्तार के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने और जनता के बीच पार्टी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प व्यक्त किया। उनकी नियुक्ति को वाराणसी में राष्ट्रीय लोकदल के संगठनात्मक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भोजूबीर में 20 अक्टूबर को होगा मय्य दशहरा महोत्सव, तीन पुतलों का किया जाएगा दहन

वर्ष 1882 से निरंतर आयोजित हो रही श्रीरामलीला, हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भोजूबीर में दशहरे के पवन अवसर पर 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को भव्य दशहरा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्रीरामलीला समिति भोजूबीर की ओर से आयोजित होने वाले इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में परंपरागत रूप से तीन पुतलों का दहन किया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन करने के साथ ही पुतला दहन का आयोजन देख सकेंगे। श्रीरामलीला समिति भोजूबीर के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि भोजूबीर की रामलीला वर्षों से क्षेत्रीय व्यापारियों, नागरिकों और रामभक्तों के सहयोग से निरंतर

आयोजित होती आ रही है। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्थानीय लोगों की सहभागिता से यह परंपरा लगातार आगे बढ़ रही है। समिति का प्रयास है कि आने वाली पीढ़ियों तक भी इस धार्मिक परंपरा और भगवान श्रीराम के आदर्शों को पहुंचाया जाए। समिति के महामंत्री विजय अस्थाना ने पत्रकार वार्ता में बताया कि श्रीरामलीला समिति भोजूबीर द्वारा वर्ष 1882 से लगातार रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने में क्षेत्र के प्रबुद्धजनों, व्यापारियों और नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दशहरे के दिन तीन पुतलों का दहन महोत्सव का प्रमुख आकर्षण होता है, जिसे देखने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु



पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि दशहरा बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन समाज को मयादां, कर्तव्य, सत्यनिष्ठा और आदर्श आचरण की प्रेरणा देता है। समिति का उद्देश्य रामलीला और दशहरा महोत्सव के माध्यम से इन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित रखना है। महामंत्री विजय अस्थाना ने बताया कि महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की

संभावना को देखते हुए आयोजन की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समिति की ओर से कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पदाधिकारियों और सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, आयोजन स्थल की व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि समिति का प्रयास रहेगा कि श्रद्धालु शांतिपूर्ण वातावरण में दशहरा महोत्सव का आनंद ले सकें। इसके लिए संबंधित व्यवस्थाओं को

बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। समिति ने क्षेत्रीय नागरिकों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महोत्सव की शोभा बढ़ाने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

दशहरा महोत्सव को सफल बनाने में समिति के संरक्षक अरविंद सिंह एवं महेश्वर सिंह, अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष बीरबल यादव, महामंत्री विजय अस्थाना, मीडिया प्रभारी किशन सेठ, कोषाध्यक्ष दीपक जायसवाल एवं राजेश विश्वकर्मा तथा उपमंत्री मनोज कुमार पांडेय, नंदलाल गुप्ता एवं मुन्नालाल मोर्य अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। इसके अलावा व्यवस्थापक आनंद गुड्डू, संगठन मंत्री रोहित गुप्ता, सुरक्षा मंत्री शिवशंकर यादव एवं गौरव सिंह, मंच व्यवस्थापक स्वतंत्र भात जायसवाल एवं कृष्ण मुरारी भारत, आय-व्यय निरीक्षक पंकज मिश्रा, रामलीला

संचालक प्रमोद मिश्रा एवं इंद्रदेव सिंह तथा फील्ड व्यवस्थापक मुकेश यादव, मनीष यादव एवं विनोद यादव आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। झांकीकर्ता राजेश कुमार जायसवाल, झरी वसूली की जिम्मेदारी निभाने वाले अमर गुप्ता एवं जंगी यादव, आरती व्यवस्था में विष्णु प्रसाद, श्रृंगारकर्ता नीरज कुमार मिश्रा एवं अनुराग मिश्रा, सजावटकर्ता रमेश कुमार शर्मा तथा पुजारी सीताराम सहित अन्य सदस्य भी आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्रीरामलीला समिति भोजूबीर ने क्षेत्र के सभी नागरिकों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं से 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दशहरा महोत्सव में शामिल होने की अपील की है। समिति को उम्मीद है कि इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की व्यापक भागीदारी से ऐतिहासिक परंपरा को नई ऊंचाई मिलेगी और पूरा क्षेत्र धार्मिक उत्साह से सराबोर होगा।

सिपाही पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर; तीन आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकापुर। नगर क्षेत्र में 15 अक्टूबर की रात किराए के मकान में रह रहे उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाही दिलीप चौधरी पर कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में सिपाही के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण वह बेहोश हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र (जेपी) रेफर कर दिया गया। सिपाही के पिता रामवीर सिंह की तहरीर के अनुसार, दिलीप चौधरी शिकारपुर कोतवाली में तैनात है। वह अपने साथी कांस्टेबल विष्णु के साथ सरगांव के पास एक किराए के मकान में रहता है। आरोप है कि 15 अक्टूबर की रात करीब एक बजे कुछ

लोग मकान के पास गली-गलौज करते हुए शोर-शराबा कर रहे थे। सिपाही दिलीप चौधरी ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी नाराज हो गए और एकराय होकर उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले के दौरान उसके सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के समय सिपाही के साथी कांस्टेबल विष्णु ने शोर मचाकर मदद के लिए लोगों को बुलाने का प्रयास किया। उसके शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। इसके बाद घायल सिपाही को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर धर्मद, दुष्यंत, साहब सिंह, सीता और अंजय सहित अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला करने और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की।



डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तनुज सैंगर ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

हापुड़ रोड रेलवे क्रॉसिंग से हनुमानपुरी मार्ग के चौड़ीकरण और खुले नालों को ढकने की रखी मांग

● विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और प्रवेश प्रक्रिया पर भी हुई विस्तृत चर्चा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर के वरिष्ठ अधिकारी तनुज सैंगर ने लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक विषयों के साथ-साथ



मोदीनगर क्षेत्र की एक अहम जनसमस्या को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से रखा। विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भेंट के दौरान तनुज सैंगर ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें मोदीनगर के हापुड़ रोड

रेलवे क्रॉसिंग से हनुमानपुरी तक जाने वाले मुख्य मार्ग की जर्जर स्थिति, सड़क किनारे खुले नालों और उससे उत्पन्न हो रही गंभीर यातायात की समस्या का जिक्र किया गया। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम

नागरिकों का भारी आवागमन रहता है, ऐसे में सड़क की खस्ता हालत और खुले नाले किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उन्होंने छात्रहित और जनहित को ध्यान में रखते हुए सड़क के सुधार, चौड़ीकरण और नालों को तत्काल ढकने की पुरजोर मांग की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस जनसमस्या को बेहद गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि जिलाधिकारी के माध्यम से इस पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और यथाशीघ्र आवश्यक व प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। विश्वविद्यालय की प्रगति पर हुई चर्चा-बैठक के दौरान

मुख्यमंत्री के साथ डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय की वर्तमान प्रवेश प्रक्रिया, आगामी शैक्षणिक गतिविधियों और क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। तनुज सैंगर ने विश्वविद्यालय परिवार और मोदीनगर क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी का सकारात्मक मार्गदर्शन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।



पूरी तरह ठप हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूँ आखिर आप लोग चाहते क्या हैं गांव का विकास या गांव का विनाश, पंचायत

को मजबूत बनाना चाहते हैं या उन्हें अपंग बनाकर रखना चाहते हैं। आज जब गांव को एक मजबूत जवाब देही की आवश्यकता है तब आप लोग अड़चन डालने का काम कर रहे हैं।

क्या आप नहीं चाहते कि पंचायत को अपना चुना हुआ प्रतिनिधि मिले। मैं पूछना चाहता हूँ पंचायत चुनाव विरोधियों से चाहे वह किसी भी संगठन से हो या आम व्यक्ति अगर आप खुद को गांव और पंचायत का हितैषी मानते हैं तो सामने आकर बताइए कि आपको पंचायत चुनाव से परेशानी क्या है। याद रखिए ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन गांव के अधिकारों की आवाज है। हम पंचायतों को कमजोर करने की किसी भी कोशिश के सामने चुप बैठने वाले नहीं हैं।

मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप के आयोजन सहयोग के लिए राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रशासन द्वारा मतदान केंद्रों पर 17 अक्टूबर वह 24 अक्टूबर विशेष कैंप के आयोजन के लिए राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई। जिसमें पत्र मतदाता का नाम सम्मिलित करने के लिए सहयोग की अपेक्षा की गई।

उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा-57, मोदी नगर के समस्त राजनीतिक दलों के साथ शुक्रवार को बैठक आहूत की गई। जिसके अंतर्गत 17 अक्टूबर 2026 और 24 अक्टूबर 2026 को मतदान केन्द्रों पर विशेष

कैंप का आयोजन किया गया है। बीएलओ और सुपरवाइजर के साथ मिलकर छूट और पात्र मतदाता का नाम सम्मिलित करने के लिए, सभी से सहयोग की अपेक्षा की गई है तथा मतदेय स्थलों के पुनर्गठन के संबंध में अगर किसी राजनीतिक दल का कोई प्रस्ताव है, तो 17 अक्टूबर 2026 तक उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया है।

बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी से अमित चौधरी, पंकी चौधरी, राष्ट्रीय लोकदल पार्टी से सतेंद्र तोमर, राम भरोसे लाल मौयां, समाजवादी पार्टी से सचिन दीक्षित, कालूराम धामा और अभिषेक खन्ना कुपाल सिंह यादव उपस्थित हुए।

प्लॉट के विवाद में चली गोली, हिंदू रक्षा दल के 22 वर्षीय कार्यकर्ता की मौत

280 गज जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद, मारपीट के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद में 280 गज के प्लॉट पर कब्जे के विवाद में गौली लगने से हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता आनुष वाल्मीकि (22) की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, प्लॉट के विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पंकी चौधरी भी अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि निजी अस्पताल से जुड़े राहुल साहनी ने अपनी लाइसेंस पिस्टल से गोली चला दी, जो आनुष



वाल्मीकि को लगी। गंभीर रूप से घायल आनुष को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोली चलने के बाद मौके पर मौजूद हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने राहुल साहनी की पिटाई कर दी। मारपीट में राहुल के हाथ-पैर टूटने की बात सामने



आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहुल को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी और पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

सिख समाज की एकजुटता को मिलेगी नई धार, सम्मेलन में तैयार होगा मांगों का ज्ञापन

बजरिया गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में होगा उत्तर प्रदेश सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी का नौवां सम्मेलन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सिख और पंजाबी समाज की एकजुटता को मजबूत करने, धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को नई दिशा देने तथा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा गतिविधियों का विस्तार करने के उद्देश्य से 18 अक्टूबर को गाजियाबाद में प्रदेशस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। बजरिया स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, रेलवे रोड की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। सम्मेलन

में समाज की उपलब्धियों, वर्तमान चुनौतियों और आने वाली पीढ़ी को धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत सौंपने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। शुक्रवार को सम्मेलन की जानकारी देते हुए गुरुद्वारा साहिब के चेयरमैन सरदार हरमीत सिंह और प्रधान इंद्रजीत सिंह टीटू ने बताया कि यह उत्तर प्रदेश सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की नौवां बैठक होगी। इससे पहले प्रदेश के आठ अलग-अलग जिलों में इसी तरह के सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इस बार गाजियाबाद को इसकी मेजबानी का अवसर मिला है। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित होगा। प्रदेशभर से आने वाले प्रतिनिधियों के लिए नाश्ते से लेकर दोपहर के भोजन तक की व्यवस्था की



गई है। चेयरमैन सरदार हरमीत सिंह ने कहा कि सिख समाज ने देश की आजादी से लेकर आज तक राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सेवा, धार्मिक गतिविधियों और जरूरतमंदों की सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज की इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियां और सामाजिक संस्थाएं आपसी तालमेल के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि

सम्मेलन में विभिन्न जिलों से आने वाले प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करेंगे और बताएंगे कि समाज की सेवा गतिविधियों को किस तरह अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें समाज को संगठित प्रयास करने की आवश्यकता है। बैठक में आने वाले सुझावों के आधार पर प्राथमिकताएं तय की जाएंगी, ताकि जरूरतमंद परिवारों और

नई पीढ़ी को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि समाज की एकजुटता का लाभ तभी मिलेगा, जब सभी संस्थाएं व्यक्तिगत प्रयासों से आगे बढ़कर साझा उद्देश्य के लिए काम करेंगी। सम्मेलन में विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों और मांगों को संकलित कर ज्ञापन तैयार किया जाएगा। इसे मुख्य अतिथि राज्यमंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपने की योजना है। इसका उद्देश्य शासन-प्रशासन के समक्ष सिख-पंजाबी समाज से जुड़े मुद्दों को संगठित तरीके से रखना और उनके समाधान के लिए संवाद को आगे बढ़ाना है। उत्तर प्रदेश सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के संस्थापक संरक्षक

पंचायत चुनाव को लेकर उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय को ब्रजवीर दहिया ने बताया सही निर्णय

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजवीर दहिया ने कहा कि जब से उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर माननीय उच्च न्यायालय का निर्णय आया है तब से कुछ लोगों द्वारा इस फैसले पर आपत्ति जताई जा रही है और वह इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक जाने की बात कर रहे हैं। मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूँ कि आप लोग पंचायत के हितैषी हैं या पंचायत के दुश्मन क्या आपको नहीं दिख रहा कि जब से पंचायत का कार्यालय समाप्त हुआ है तब से गांव में विकास की क्या व्यवस्था है। प्रसाशकों को फंड नहीं दिया जा रहा है उन्हें काम नहीं करने दिया जा रहा है विकास कार्य



पूरी तरह ठप हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूँ आखिर आप लोग चाहते क्या हैं गांव का विकास या गांव का विनाश, पंचायत

को मजबूत बनाना चाहते हैं या उन्हें अपंग बनाकर रखना चाहते हैं। आज जब गांव को एक मजबूत जवाब देही की आवश्यकता है तब आप लोग अड़चन डालने का काम कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश द्वारा एक समिति का गठन कर दिया गया है: डॉ.दिनेश कुमार

● सभी एनआरएचएम के अधिकारी तथा कर्मचारी अपने कार्यों पर लौटकर कार्य करें

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के चिकित्सा अधीक्षक एवं उपाध्यक्ष प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद डॉ. दिनेश कुमार द्वारा अगवत कराया गया है। उम्मीद है की 17 अक्टूबर 2026 से सभी एनआरएचएम के अधिकारी तथा कर्मचारी अपने कार्यों पर लौटकर कार्य करेंगे। जो अधिकारी और कर्मचारी अभी भी कार्य पर नहीं लौटेंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करी जाएगी जिसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन , उत्तर प्रदेश के अधीन संचालित अधिकारी/ कर्मचारियों की हड़ताल के विषय में मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश द्वारा एक समिति का गठन कर दिया गया है, जो संचालित कर्मचारियों की मांगों के मुताबिक निर्णय



लेगी। उस समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी और जो अधिकारी तथा कर्मचारी 16 अक्टूबर 2026 को अपनी हड़ताल खत्म करके काम पर वापस लौट जाएंगे उनके खिलाफ किसी भी तरह की कोई कार्रवाई भी नहीं करी जाएगी। चिकित्सा अधीक्षक एवं उपाध्यक्ष प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद डॉ. दिनेश कुमार द्वारा अगवत कराया गया है कि उम्मीद है की 17 अक्टूबर 2026 से सभी एनआरएचएम के अधिकारी तथा कर्मचारी अपने कार्यों पर लौटकर कार्य करेंगे उन्होंने यह भी अगवत कराया है कि जो अधिकारी और कर्मचारी अभी भी कार्य पर नहीं लौटेंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करी जाएगी जिसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी।

शिक्षा के साथ संस्कृति का संदेश, एचआईएमटी में डांडिया उत्सव की धूम

वेलकम इंडिया संवाददाता

एनसीआर। एचआईएमटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार को नवरात्रि उत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान का परिसर भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने डांडिया की मनमोहक धुनों पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने के साथ-साथ एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान किया। उत्सव का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा किया गया डांडिया नृत्य रहा। संगीत की लय पर धिरकते



प्रतिभागियों ने अपनी ऊर्जा और उत्साह से माहौल को जीवंत बना दिया। आयोजन में संस्थान के विभिन्न विभागों के सदस्यों ने सहभागिता की। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम ने शिक्षा के साथ-साथ भारतीय परंपराओं और सामाजिक सौंदर्य के महत्व को भी रेखांकित किया। नवरात्रि उत्सव के दौरान परिसर में सांस्कृतिक एकता और सामूहिक सहभागिता की झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे संस्थान

के सदस्यों के बीच आपसी सहयोग और सद्भाव की भावना मजबूत हुई। पारंपरिक वेशभूषा और डांडिया नृत्य ने उत्सव को विशेष रंग प्रदान किया। इस अवसर पर एचआईएमटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष एच.एस. बंसल, सचिव अनिल कुमार बंसल और संयुक्त सचिव अनामोल बंसल ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता की कामना की।

स्कूटी की टक्कर का विरोध करना पड़ा भारी, युवती को कार के बोनट पर पटककर पीटा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रेलवे रोड पर दुकान के बाहर स्कूटी खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में युवती और उसके भाई के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूटी में कार की टक्कर लगने का विरोध करने पर कार सवार युवक ने युवती के साथ बेरहमी से मारपीट की। युवती का आरोप है कि उसे पांच बार कार के बोनट पर पटककर मारा गया। बहन को बचाने पहुंचे उसके भाई को भी आरोपियों ने पीटा। पीड़िता का कहना है कि शिकायत देने के बावजूद तीन दिन से मुकदमा दर्ज कराने के लिए वह थाने और पुलिस चौकी के चक्कर काट रही है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रेलवे रोड पर दुकान करने वाली शिवानी के मुताबिक, 14 अक्टूबर को उनकी



स्कूटी दुकान के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक की कार से स्कूटी में टक्कर लग गई। शिवानी ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि कार सवार युवक ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। युवती का दावा है कि आरोपी ने उन्हें कार के बोनट पर पांच बार पटककर मारा। अचानक हुई मारपीट से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शिवानी के अनुसार, जब उनके भाई ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की।

